पी–एच.डी. पूर्वपाठ्यक्रम (संस्कृत)

(Pre-Ph.D. Course- Sanskrit)

2023-24

University of Patanjali

Department of Sanskrit

Patanjali Yogpeeth,

Haridwar (UK) 249405

भाग-I

पूर्णाङ्काः-100
बाह्यमूल्याङ्कनाङ्काः-70
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः-30
क्रेडिटः-6

- **इकाई-१ संस्कृतव्याकरण**

(क) संस्कृतव्याकरण का इतिहास, प्रमुख वैयाकरण एवं उनकी रचनायें।

(ख) त्रिमुनिव्याकरण का परिचय (पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि)

(ग) प्रमुख सन्धि समास व कारकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

- **इकाई-२ संस्कृतसाहित्य और काव्यशास्त्र**

(क) संस्कृत गद्य पद्य, नाटक व कथा साहित्य का सामान्य परिचय

(ख) कवि व उनकी रचनायें-
कालिदास, अश्वघोष, भारवि, माघ, भर्तृहरि, भवभूति, शूद्रक, हर्षवद्र्धन, जयदेव, बाणभट्ट, दण्डी, पण्डित विष्णु शर्मा एवं आचार्य मेघाव्रत।
(ग) काव्य के प्रमुख सिद्धान्त-
रस सम्प्रदाय, अलंकार सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय, ध्वनि सम्प्रदाय, वक्रोक्तिसम्प्रदाय, औचित्य सम्प्रदाय
(घ) काव्य शास्त्र के आचार्य एवं उनकी रचनाओं का परिचय भरत, भामह, दण्डी, वामन, आनन्दवर्धन, क्षेमेन्द्र, मम्मट, विश्वनाथ और पण्डितराजजगन्नाथ।

- **इकाई-३ दर्शन शास्त्र का परिचय एवं सर्वेक्षण**

(क) षड्दर्शन, इनके ग्रंथ व प्रमुख सिद्धान्तों का परिचय।

(ख) बौद्ध, जैन, चार्वाक् के प्रमुख ग्रंथ व सिद्धान्तों का परिचय।

(ग) भारतीय दर्शन में आत्मा, परमात्मा, कार्य-कारण, प्रमाण, कर्मफल व्यवस्था, पुनर्जन्म, व मोक्ष की परिभाषाओं एवं सिद्धान्तों का अनुशीलन।

- **इकाई-४ संस्कृतशोध में सहायक विधि**

(क) आधुनिक संस्कृत शोध क्षेत्र का परिचय।
(ख) संस्कृत में कोश के प्रकार और उनका शोध में पयोग।
(ग) संस्कृत की प्रमुख शोध पत्रिकाओं का परिचय एवं उनका शोधकार्य में उपयोग।
(घ) संस्कृत ग्रंथों के पाठसमालोचन सिद्धान्त।

भाग–II

इकाई–५ वेद एवं लौकिक संस्कृत सहित्यां में शोध के क्षेत्र

इकाई–६ भाषा विज्ञान

इकाई–७ भारतीय एवं पाश्चात्य विद्वानों के शोध कार्य क्षेत्र

इकाई–८ भारतीय संस्कृति में वर्णाश्रम व्यवस्था षोडश संस्कारों एवं पंचमहायज्ञों का परिचय तथा प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृति का प्रभाव

सन्दर्भग्रन्थः–

- संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
- संस्कृतशोध वैदिक अध्ययन – डॉ. कृष्णलाल
- भाषा विज्ञान –डॉ. भोलानाथ तिवारी
- भाषा विज्ञान – डॉ. कर्ण सिंह
- **Review of Indological Research in last 75 years. -**ED. P.G. Chinrnulgund and Dr. V.V. Mirashi